

अंतःस्यंदन पुं. (तत्.) भूविज्ञान 1. शैल कणों या छिद्रों के बीच किसी द्रव या गैस का पारगमन 2. अंदर ही अंदर टपकना, चूना।

अंतःस्राव पुं. (तत्.) जीव. आंतरिक रिसाव, स्रवण, अंतःस्राविकी।

अंतःस्रावविद् पुं. जीव. अंतःस्रावी ग्रंथियों और उनके स्रावों के विज्ञान का विद्वान, अंतःस्रावविज्ञानी।

अंतःस्राविकी स्त्री. (तत्.) जीवविज्ञान की वह शाखा जिसमें अंतःस्रावी ग्रंथियों का अध्ययन होता है।

अंतःस्रावी वि. (तत्.) प्राणियों की वाहिनीहीन ग्रंथियाँ जो स्रावों को सीधे रुधिर में डालती हैं, अंतःस्राव करने वाली।

अंतःस्वर पुं. (तत्.) अंतःकरण का स्वर, मन की आवाज।

अंत पुं. (तत्.) 1. अस्तित्व न रह जाना, अस्तित्व का अभाव 2. मृत्यु 3. विनाश 4. परिणाम 5. बाद वाला भाग, अंतिम भाग मुहा. अंत कर देना-समाप्त कर देना, मार डालना।

अंतक वि. (तत्.) 1. अंत कर देनेवाला, समाप्त कर देनेवाला, नाशक 2. सन्निपात ज्वर का एक भेद पुं. 1. यमराज 2. काल 3. मृत्यु 4. शिव।

अंतकथा स्त्री. (तत्.) दे. अंतःकथा।

अंतकर वि. (तत्.) 1. अंत करने वाला, नाशक, मारक, संहारक 2. यमराज।

अंतकरण पुं. (तत्.) समाप्त करना, समाप्त किया जाना।

अंतकर्ता पुं. (तत्.) नाशकर्ता, मारक, संहारक।

अंतकर्म पुं. (तत्.) अंत्येष्टि, अंतिम संस्कार।

अंतकलोक पुं. (तत्.) यमलोक।

अंतकारक वि. (तत्.) अंतकर, अंत करने वाला, संहारकर्ता।

अंतकारी वि. (तत्.) 1. समाप्त करने वाला 2. नाश, वध करने वाला, नाशक, मारक, संहारक।

अंतकाल पुं. (तत्.) 1. अंतिम समय, मृत्यु का समय, मृत्यु की घड़ी, मृत्युकाल, मरणवेला 2. समाप्ति का समय 3. नाश का समय।

अंतकोशकीय वि. (तत्.) कोशिकाओं के बीच में स्थित (संयोजी ऊतक या द्रव)।

अंत-कोशिक वि. (तत्.) चिकि. 1. कोशिकाओं में पाया जाने वाला 2. कोशिकाओं के अंदर पाया जाने वाला। intracellular

अंतक्रिया स्त्री. (तत्.) शव का अंतिम संस्कार, अंत्येष्टि।

अंतग वि. (तत्.) 1. अंत, सीमा, छोर तक जाने वाला, अंत तक पहुँचा हुआ 2. किसी विषय से भली भाँति परिचित, पारंगत, पारगामी।

अंतगति स्त्री. (तत्.) 1. मृत्यु, मरण, मौत 2. नष्ट होने वाला, नाशवान।

अंतगामी वि. (तत्.) नष्ट होने वाला, नाशवान, अंतगति।

अंत चित्त पुं. (तत्.) अंतःकरण, हृदय, मन।

अंतच्छद पुं. (तत्.) ढांकने की वस्तु, आच्छादन, आवरण।

अंतछद वि. (तत्.) 1. आंतरिक आवरण, भीतर का आवरण 2. छत के अंदर का भाग।

अंततः क्रि.वि. (तत्.) 1. अंत में 2. आखिरकार।

अंततोगत्वा क्रि.वि. (तत्.) अंततः, आखिरकार।

अंतरंग वि. (तत्.) 1. भीतरी 2. अतिप्रिय अथवा घनिष्ठ पुं. भीतरी अंग।

अंतरंगता स्त्री. (तत्.) किसी व्यक्ति वस्तु या परिवेश के प्रति अत्यधिक भावात्मक लगाव या संबंध। घनिष्ठता, अति सामीप्य।

अंतरंग रोगी पुं. (तत्.) आयु. वह रोगी जिसकी चिकित्सा उसे अस्पताल के वार्ड में भरती करने के बाद प्रारंभ की जाए दिना. बाह्य या बहिरंग रोगी।

अंतर अव्य. (तत्.) बीचों बीच, मध्य में, अंदर।